

## सैकेंडरी स्कूल परीक्षा

मार्च – 2017

अंक-योजना – हिंदी ( 'ब' ) कोड संख्या 504/1, 2, 3

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

### विशेष निर्देश :

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षार्थी तय शुल्क देकर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षक यह सुनिश्चित करें कि उन्हें प्रत्येक प्रश्न की अंक योजना के अनुसार ही उत्तर का मूल्यांकन करना है।

1. बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर में यदि विद्यार्थी पूरे विकल्प (वाक्य/वाक्यांश/शब्द) को न लिखकर केवल (क)/(ख) इत्यादि उपयुक्त विकल्प ही लिखें तो उसे भी स्वीकारें।
2. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
3. परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक-योजना पर भली-भाँति विचार-विनिमय नहीं हो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।
4. मूल्यांकन-कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
5. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर भी लिख दिया है तो जहाँ प्रश्न को पहले हल किया गया है उस पर अंक दें और बाद में किए हुए को काट दें।
8. संक्षिप्त किंतु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवार उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्त्व देने की अपेक्षा है।
9. एक ही प्रकार की अशुद्धि पर अंक न काटें।
10. शब्द-सीमा से अधिक शब्द होने पर भी अंक न काटे जाएँ।
11. प्रायः यह प्रवृत्ति देखी जाती है कि परीक्षक सहानुभूति में 30 % अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी को 33 % अंक देकर उत्तीर्ण कर देते हैं, या कहीं एक अंक केवल इस आधार पर काट लेते हैं कि पूरे अंक नहीं दिए जा सकते। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने - 0 से 90 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 90 अंक दिए जाने चाहिए।
12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि कोई उत्तर पूर्णतः गलत मिलता है तो उस उत्तर पर गलत (X) चिह्नित कर शून्य अंक दिए जाएँ।

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 504/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
1	1 (क)	1 (क)	1 (क)	<p style="text-align: center;"><b>खंड - 'क'</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>जो कुछ दिन बिना खाए रहे।</li> <li>त्याग / संयम के साथ भोग आनंददायक होता है।</li> </ul>	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	जीवन का भोग त्याग और संयम से करना संयम से किया गया भोग जीवन का आनंद देता है, भोगी बनकर किया गया भोग नहीं।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	<ul style="list-style-type: none"> <li>मानव जीवन में बड़े संकटों का सामना करके ही बड़ा बनता है।</li> <li>इसी बात को सिद्ध करने के लिए अकबर का उदाहरण</li> </ul>	1+1=2
	(घ)	(घ)	(घ)	<ul style="list-style-type: none"> <li>लाक्षागृह की मुसीबत को झेला, वनवास के जोखिम को पार किया।</li> <li>उनमें संघर्ष करने की क्षमता थी।</li> </ul>	1+1=2
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	<ul style="list-style-type: none"> <li>संघर्ष से व्यक्ति को शक्ति, गिरकर उठने की ताकत मिलती है।</li> <li>उसी से उद्देश्य प्राप्ति</li> </ul>	2
	(च)	(च)	(च)	<ul style="list-style-type: none"> <li>त्याग के साथ भोग की भावना</li> <li>संयम के साथ जीवन बिताना</li> </ul>	1+1=2
					<b><u>12</u></b>

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 504/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

2	2 (क)	2 (क)	2 (क)	<ul style="list-style-type: none"> <li>हिमालय जैसा पर्वत, गंगा-यमुना जैसी नदियों को</li> <li>हिमालय जैसा कोई पर्वत नहीं, गंगा-यमुना जैसी पवित्र नदियाँ नहीं।</li> </ul>	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	<ul style="list-style-type: none"> <li>महान सभ्यता</li> <li>गौरवशाली इतिहास का वर्णन पूरी तरह संभव नहीं</li> </ul>	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	<ul style="list-style-type: none"> <li>वह व्यक्ति / राजा / तपस्वी जो गंगा को धरती पर लेकर आए थे।</li> <li>कठोर परिश्रम और तप</li> </ul>	1+1=2
	(घ)	(घ)	(घ)	अहिंसा, त्याग, बलिदान और नेतृत्व (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2 <u>8</u>
3	3	—	—	<p><b>खंड - 'ख'</b></p> <p>ध्वनियों की स्वतंत्र, सार्थक इकाई शब्द कहलाती है और जब शब्द व्याकरणिक नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त किया जाता है तब वह पद बन जाता है।</p>	1+1=2
	—	3	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>वर्णों की स्वतंत्र और सार्थक इकाई को शब्द कहते हैं।</li> <li>शब्द स्वतंत्र और सार्थक होता है।</li> </ul> <p>उसका वाक्य में प्रयोग नहीं होता, वाक्य में प्रयुक्त होने पर वह पद बन जाता है।</p>	1+1=2

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 504/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

4	—	—	3	ध्वनियों की स्वतंत्र, सार्थक इकाई शब्द कहलाती है। जैसे— लड़का जब शब्द व्याकरणिक नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त किया जाता है तब वह पद बन जाता है। जैसे — <u>लड़का</u> पढ़ रहा है। (पद)	1+1=2
	4	—	—		
	(क)	—	—	जो 'शाहे रूम' था वह भीख माँग-माँगकर मर गया।	1
	(ख)	—	—	इस लड़ाई को ओपन लड़ाई कह सकते हैं।	1
	(ग)	—	—	हमारे सैनिक सीमा के पार गए और उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक की।	<u>1</u>
	—	4	—		<u>3</u>
	—	(क)	—	जब तुम आओगे तब ही / तभी यह हो जाएगा।	1
	—	(ख)	—	हे अर्जुन, सब कुछ त्याग दो और मेरी शरण में आओ।	1
	—	(ग)	—	माँ तुम्हारे सफल होने की प्रार्थना कर रही है।	<u>1</u>
	—	—	4		<u>3</u>
	—	—	(क)	सोना और गिन्नी अलग-अलग हैं।	1
	—	—	(ख)	वे ताँबे में सोना मिलाते थे और उसकी कीमत बढ़ाते थे।	1
	—	—	(ग)	सआदत अली जो हमारा दोस्त है, वह बहुत ऐश-पसंद आदमी है।	<u>1</u>
					<u>3</u>

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 504/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
5	5	—	—		
	(क)	—	—	पाठप्रवेश - तत्पुरुष समास ताँतारा और वामीरो - द्वंद्व समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
	(ख)	—	—	सर्जिकल है जो स्ट्राइक - कर्मधारय समास पशुओं का पर्व - तत्पुरुष समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ <b>4</b>
	—	5	—		
	(क)	—	—	नीलनभ - कर्मधारय समास स्वर्णाभूषण - तत्पुरुष समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
	(ख)	—	—	राजा का दरबार - तत्पुरुष समास छापा और तिलक - द्वंद्व समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ <b>4</b>
	—	—	5		
	(क)	—	—	सूर्यकिरण - तत्पुरुष समास नम्रनिवेदन - कर्मधारय समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
	(ख)	—	—	आत्म का त्राण - तत्पुरुष समास अनुकूल और प्रतिकूल - द्वंद्व समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ <b>4</b>

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 504/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
6	6	—	—		
	(क)	—	—	आप तो सेना का मनोबल बढ़ाइए।	1
	(ख)	—	—	विनम्रतापूर्वक निवेदन है कि आप अवश्य पधारें / सविनय निवेदन है कि आप अवश्य पधारें।	1
	(ग)	—	—	हम तो नए पड़ोसियों से परेशान हो गए हैं / हम तो नए पड़ोसियों से तंग आ गए हैं।	1
	(घ)	—	—	घर-घर जाकर तुम्हारी निंदा करता है / वह घर-घर जाकर तुम्हारी निंदा करता है।	<u>1</u> <u>4</u>
	—	6	—		
	— (क)	—	—	क्या आप भोजन कर चुके हैं?	1
	— (ख)	—	—	पुलिस ने अपराधी को पकड़कर मामला दर्ज कर लिया है / पुलिस द्वारा अपराधी को पकड़कर मामला दर्ज कर लिया गया है।	1
	— (ग)	—	—	परस्पर परामर्श कर लें / एक-दूसरे से परामर्श कर लें।	1
	— (घ)	—	—	सब लड़के सेना में चले गए हैं / सब लोग सेना में चले गए हैं।	<u>1</u> <u>4</u>

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 504/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

	—	—	6		
	—	—	(क)	आप ऐसा अनर्थ क्यों कर रहे हैं?	1
	—	—	(ख)	आपको इसका शुल्क चुकाना होगा / आपको इसकी कीमत चुकानी होगी।	1
	—	—	(ग)	मुझे उसका पता नहीं मालूम है।	1
	—	—	(घ)	अभी तो मुझे पाँच हजार रुपए चाहिए।	<u>1</u> <u>4</u>
7	7	7	7	(अर्थपूर्ण एवं उचित वाक्य-प्रयोग पर अंक दिए जाएँ।)	1+1=2
<b>खंड - 'ग'</b>					
8	8	8	8		
	(क)	(क)	(क)	<ul style="list-style-type: none"> <li>ओचुमेलोंव को</li> <li>गिरगिट की तरह रंग बदलते हुए कभी खूक्रीन के पक्ष में तो कभी विपक्ष में हो जाता है।</li> </ul>	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	आदर्श — <ul style="list-style-type: none"> <li>शाश्वत मूल्य जो समय और परिस्थिति के अनुसार नहीं बदलते</li> <li>निष्पक्ष होते हैं, अपने साथ-साथ दूसरों का भी ध्यान रखते हैं।</li> </ul> व्यावहारिकता — <ul style="list-style-type: none"> <li>समय और परिस्थिति के अनुसार बदलते रहते हैं।</li> <li>उनमें स्वार्थ की भावना निहित होती है।</li> </ul> (एक-एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 504/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

	(ग)	(ग)	(ग)	अवध की गद्दी के छिन जाने के भय के कारण	<u>1</u> <u>5</u>
9	9	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>देशभक्त</li> <li>जाँबाज़ सिपाही</li> <li>साहसी और हिम्मती</li> <li>दृढ़ निश्चयी</li> <li>नीति कुशल आदि।</li> </ul> (किन्हीं पाँच उपयुक्त चारित्रिक विशेषताओं का विस्तृत उल्लेख स्वीकार्य)	5
	—	9	—	(विद्यार्थियों द्वारा उपयुक्त उदाहरण के माध्यम से कथन की पुष्टि स्वीकार्य)	5
	—	—	9	<u>संदेश</u> — <ul style="list-style-type: none"> <li>शासन को भ्रष्टाचार से मुक्त करने के लिए आम जनता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।</li> <li>कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए।</li> </ul> सुझाव — विद्यार्थियों के उपयुक्त सुझाव स्वीकार्य।	2+3=5
10	10 (क)	10 (क)	10 (क)	<ul style="list-style-type: none"> <li>परिस्थिति के अनुसार बदलते नहीं</li> <li>आदर्शों की अपनी आभा है और सोने की भी</li> <li>दोनों का समाज में सम्मान होता है।</li> </ul>	



प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 504/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

				<ul style="list-style-type: none"> <li>• शुद्ध सोने के समान ही शुद्ध आदर्शों में व्यावहारिकता का ताँबा मिलाकर ही उपयोग में लाया जा सकता है। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)</li> </ul>	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• जो लोग शुद्ध आदर्शों में व्यावहारिकता मिलाकर उन्हें चलाते हैं।</li> <li>• आदर्शों का स्तर नीचे ले आते हैं।</li> </ul>	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• जब वे केवल व्यवहारवादी हो जाते हैं।</li> </ul>	<u>1</u> <u>5</u>
11	11	11	11	<ul style="list-style-type: none"> <li>• माला जपना, छापे के वस्त्र पहनना, तिलक लगाना जैसे आडंबरों से मन भ्रमित होता है।</li> <li>• एकाग्र मन से ईश्वर की प्राप्ति संभव</li> </ul>	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• यह गीत 1962 में हुए भारत और चीन के युद्ध की पृष्ठभूमि पर लिखा गया है।</li> </ul>	2
	(ग)	(ग)	(ग)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• परोपकारी</li> <li>• उदार हृदय</li> <li>• संवेदनशील आदि मानवीय गुणों से युक्त मनुष्य को (किन्हीं दो उपयुक्त गुणों का उल्लेख अपेक्षित)</li> </ul>	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = \underline{1}$ <u>5</u>

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 504/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
12	12	—	—	<u>प्रतिपाद्य</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>कवि द्वारा ईश्वर से कष्टों को सहन करने की शक्ति की प्रार्थना करना</li> <li>सुख-दुख की स्थितियों में समान रहना</li> <li>ईश्वर को सुख में विस्मृत न करना तथा दुख में उस पर संशय न करना</li> <li>प्रत्येक चुनौती का निर्भय होकर सामना करना</li> </ul> <u>अलग क्यों</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>इस प्रार्थना में प्रत्येक परिस्थिति में स्वयं के पुरुषार्थ और सामर्थ्य को बनाए रखने की कामना की गई है।</li> <li>अन्य प्रार्थनाओं में दुखों को दूर करने की कामना की जाती है।</li> </ul>	3+2=5
	—	12	12	<ul style="list-style-type: none"> <li>विषम परिस्थितियों में अपने मनोबल को ऊँचा बनाए रखना</li> <li>देश के लिए बलिदान का अवसर मिलना अपना सौभाग्य मानना</li> <li>अपनी वीरता से देशवासियों को प्रेरित करना</li> <li>भारत की आन-बान-शान की सुरक्षा करना (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)</li> </ul>	5
13	13	13	13	<ul style="list-style-type: none"> <li>रौबदार व्यक्तित्व</li> <li>अनुशासन प्रिय</li> <li>कुशल प्रशिक्षक</li> <li>स्वाभिमानी</li> <li>बाहर से कठोर परंतु कोमल हृदय</li> </ul>	

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 504/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		

				<p>मूल्यांकन -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• बच्चे भयभीत और अनुशासित रहते थे।</li> <li>• वे अनुशासन में कठोर और विद्यालय के संचालन में उपयोगी थे।</li> <li>• बच्चों को जीवन में सफल होने के लिए प्रशिक्षण देते थे जिससे बच्चे परिपक्व बनते थे।</li> <li>• निलंबित किए जाने पर स्वाभिमान से जीवन व्यतीत कर रहे थे।</li> <li>• पक्षियों के प्रति सहृदय थे और बच्चों को भी उनसे लगाव था। (छात्रों के अन्य मौलिक विचार भी स्वीकार्य)</li> </ul>	5
				<p>खंड - 'घ'</p>	
14	14	14	14	<p>अनुच्छेद-लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• विचारों की मौलिकता</li> <li>• प्रस्तुति</li> <li>• विषयानुकूल भाषा</li> </ul>	<p>2</p> <p>2</p> <p><u>1</u></p> <p><u>5</u></p>
15	15	15	15	<p>पत्र-लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रारूप</li> <li>• विषयवस्तु</li> <li>• विषयानुकूल भाषा</li> </ul>	<p>1</p> <p>3</p> <p><u>1</u></p> <p><u>5</u></p>

अंक-योजना मार्च, 2017

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 504/1, 2, 3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	1	2	3		
16	16	16	16	सूचना-लेखन • प्रारूप एवं प्रस्तुति • विचारों की मौलिकता • विषयानुकूल भाषा	2 2 1 <u>5</u>
17	17	17	17	संवाद-लेखन • प्रस्तुति • विचारों की मौलिकता • विषयानुकूल भाषा	2 2 1 <u>5</u>
18	18	18	18	विज्ञापन-लेखन • प्रस्तुति • विचारों की मौलिकता • विषयानुकूल भाषा	2 2 1 <u>5</u>